आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–13 जुलाई 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- सरकार ने प्रति वर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का किया फैसला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा–यह दिवस उन घटनाओं का स्मरण कराएगा, जब रौंदा गया था भारत का संविधान ।
- प्रदेश में बाढ़ से सत्रह जिले प्रभावित, राहत और बचाव कार्य जारी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही बरतने वाले दस अफसरों से मांगा स्पष्टीकरण।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव–2024 का किया शुभारंभ ।
- नेपाल बस हादसे में लापता सात भारतीयों में से छह के नाम जारी, सत्तर से अधिक लोगों की टीम की मदद से खोजे जा रहे हैं लोग ।

****

सरकार ने प्रति वर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लगाया था। 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने को लेकर सरकार की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यह दिवस उन घटनाओं का स्मरण कराएगा, जब भारत के संविधान को रौंदा गया था। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि यह दिन हर उस व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिसने आपातकाल की ज्यादतियों को सहा था। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य आपातकाल से प्रभावित उन करोडों लोगों की भावनाओं का सम्मान करना है, जिन्होंने लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने कहा इससे देश के लोकतंत्र की रक्षा होगी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि निश्चित ही यह दिवस हर नागरिक के मन में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान व विश्वास की लौ को सदैव प्रज्वलित रखेगा।

****

प्रदेश में बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश के 17 जनपदों की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। प्रदेश के लखीमपुर खिरी, बलरामपुर, कुशीनगर, बस्ती, शाहजहांपुर, बाराबंकी, सीतापुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, बलिया, गोरखपुर, बरेली, आजमगढ़, हरदोई, अयोध्या, मुरादाबाद और बहराइच से बाढ़ के समाचार हैं। घाघरा नदी बाराबंकी, अयोध्या और बलिया, राप्ती नदी सिद्धार्थनगर और गोरखपुर, बूढ़ी राप्ती सिद्धार्थनगर और क्वानो नदी गोंडा में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

पीलीभीत जिले के बीसलपुर तहसील में कई गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है, जिससे सभी संपर्क मार्गों पर आवागमन बंद है। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री का वितरण कराया जा रहा है। वहां के जिला प्रशासन ने शारदा नदी में बनवसा बैराज से पानी छोड़े जाने का अलर्ट जारी किया है। इस बीच, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा पीलीभीत से टनकपुर और पीलीभीत से शाहजहांपुर रेलखंडों पर अत्यधिक बारिश के चलते खराब हुए रेल ट्रैक की मरम्मत करवा कर ट्रेनों का संचालन शुरू करा दिया गया है। उधर, उत्तराखंड के बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण बदायूं जिले की रामगंगा नदी के उफनाने से दातागंज तहसील क्षेत्र के गांव दियुरनिया, बेलाडांडी, चपरकौरा, तालिबगंज, शंकरपुर समेत दर्जन भर गांव में बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन शुरू कर दिया है।

****

फर्रूखाबाद में कल सुबह नरौरा बांध, बिजनौर बैराज और हरिद्वार बांध से कई हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे गंगा और रामगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से जिले में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।प्रशासन की ओर से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों पर लगातार राहत पहुंचाई जा रही है। मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में गरज चमक के साथ मध्यम से तेज वर्षा जारी रहने का अनुमान जताया है।

इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ संबंधी कार्यों और क्षतिग्रस्त फसलों के सर्वे में लापरवाही बरतने वाले पांच जिलों के दस अफसरों से जवाब–तलब किया है। लखनऊ, प्रतापगढ़, सीतापुर, अम्बेडकर नगर और बलिया के एडीएम एफआर और आपदा विषेशज्ञों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

****

नीट पेपर लीक मामले में हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्रधानाचार्य अहसानुल हक और उपप्रधानाचार्य इम्तियाज सहित चार लोगों को सीबीआई की रिमांड पूरी होने के बाद पटना के बेउर जेल भेज दिया गया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो– सीबीआई ने 28 जून को इन्हें गिरफ्तार किया था। जांच से पता चला कि पटना में खेमनीचक प्ले स्कूल से जब्त आंशिक रूप से जले प्रश्न पत्र राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से प्राप्त प्रश्नपत्र से मिलते हैं। इस प्रश्नपत्र की श्रृंखला को हजारीबाग के कल्लू चौक में स्थित ओएसिस स्कूल के परीक्षा केन्द्र पर भेजा गया था।

****

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन –इसरो ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग में उत्तर भारत का पहला मौसम गुब्बारा लॉन्च किया है। 35 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित होकर गुब्बारा 100 किलोमीटर के दायरे में मौसम का पूर्वानुमान बताएगा।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव–2024 का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जापान को आम निर्यात करने के लिए कंटेनर्स को हरी झंडी दिखाई। साथ ही प्रगतिशील बागवानों को सम्मानित और आम महोत्सव से जुड़ी स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश इस साल जापान और मलेशिया को 40 टन आम निर्यात करेगा। 160 वर्ष के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि लखनऊ का दशहरी अमेरिका को निर्यात किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए प्रदेश सरकार ने भारत सरकार के सहयोग से चार पैक हाउस बनाए हैं, जो सहारनपुर, अमरोहा, लखनऊ और वाराणसी में हैं।

(किसानों के लिये हम लोगों ने प्रदेश के अन्दर भारत सरकार के सहयोग से चार पैक हाउस बनाये हैं, जो सहारनपुर में हैं, अमरोहा में है, लखनऊ में है और वाराणसी में है। यहां एक नई पुरूआत है। हमें यहां की मार्केट के लिये भी आम उत्पादक करना है, लेकिन साथ–साथ दुनिया की मार्केट में भी छाना है और ये क्षमता हमारे अन्नदाता किसानों में है। हमारे यहां के औद्यानिक फसलों से जुड़े हुए जो बागवान है उनमें भी यह क्षमता है। यही कारण है केवल सवा तीन लाख हेक्टेयर में जो फसल होती है। अब 58 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन कर देती है, यानी देश की कुछ आम उत्पादन का 25 से 30 प्रतिशत उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आम महोत्सव जैसे लखनऊ में आयोजित हो रहा है, ऐसे आयोजन देश दुनिया में भी किये जाते हैं।

****

पड़ोसी देश नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचण्ड कल वहां की संसद में विश्वास मत हासिल करने में असफल रहे। संसद में सहयोगी कम्युनिस्ट पार्टी नेपाल–युनीफाइड मार्क्ससिस्ट लेननिस्ट ने उनकी सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। नेपाल की संसद के निचले सदन में 194 सदस्यो ने विश्वास मत के विरूद्ध मतदान किया, जबकि 63 समर्थन में रहे। मतदान के दौरान एक सदस्य तटस्थ रहा। श्री प्रचण्ड को बहुमत सिद्ध करने के लिए 138 सदस्यों का समर्थन चाहिए था। नई सरकार बनने तक श्री प्रचंड नेपाल के अंतरिम प्रधानमंत्री बने रहेंगे।

****

नेपाल के चितवन जिले के नारायणघाट–मुगलिंग सड़क मार्ग पर सिमलताल क्षेत्र में यात्रियों को ले जा रही दो बसे भूस्खलन के कारण कल सुबह त्रिशूली नदी में गिर गयी, जिनमें 65 यात्री सवार थे। वहां राहत और बचाव कार्य में 70 से अधिक लोगों की टीम दुर्घटनास्थल पर लगातार काम कर रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, नेपाल बस हादसे में सात भारतीय लापता हैं, जिनमें से छह के नाम जारी किए गए हैं। नेपाल के अधिकारियों ने महाराजगंज जिले के तहसीलदार नौतनवा को ये नाम दिए हैं। तहसीलदार नौतनवा के मुताबिक लापता लोग बिहार के हो सकते हैं।

****

प्रदेश में सैटेलाइट से अवैध खनन वाले क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी। साथ ही अवैध खनन में लगे वाहनों को व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम– वीटीएस प्रणाली के जरिए ट्रैक किया जाएगा। यही नहीं ईंट भट्ठों को भी रिमोट सेंसिंग के जरिए चिह्नित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने इस संदर्भ में कई प्रस्ताव तैयार किये हैं।

****